कार्यालय प्राचार्य ,
चन्दूलाल चन्द्राकर शासकीय कला व वाणिज्य महाविद्यालय धमधा
जिला दुर्ग (छ.ग.)
Phone No. 07821-292144 , Email ID :- dhamdhacollege@yahoo.in
NAAC ACCREDITED-C COLLAGE CODE - 1607

धमधा दिनांक 30.12.2021

।। सूचना ।।

बी.ए. एव बी.एस–सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी नियमित/अनियमित छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण प्रोजेक्ट के अंतर्गत निम्नांकित विषयों पर अनुक्रमांक के आधार पर चार्ट तैयार करना अनिवार्य है। साथ ही पॉच–पॉच के समूह में एक सुशोभित गमले में पौधा रोपित कर समूह का नाम एवं छात्र–छात्रा का नाम अंकित कर दिनांक 30 जनवरी 2022 को अनिवार्य रूप से अपने प्रवेश प्रभारी के पास जमा करें। नियत दिनांक तक जमा नही करने पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी
डॉ.ज्योति केरकेट्टा
डॉ.श्रीमती ऊषा कुर्रे

(प्रो.जे.के.वर्मा)
प्रभारी प्राचार्य
चं.चं.शासकीय महाविद्यालय धमधा,
जिला दुर्ग (छ.ग.)

पर्यावरण प्रोजेक्ट वर्क - 2021 - 2022

बी॰ ए॰ भाग एक के छात्र - छात्राओं को वर्ष 2021 - 2022 में पर्यावरण प्रोजेक्ट दिये गये विषयों पर दिनांक 30.01.22 से 05 - 02 - 2022 तक प्रोजेक्ट विषय में प्रायोगिक परीक्षा लेते हुए जमा कराये गए। उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का नाम निम्नांकित है :—

प्रवेश नं॰	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	
223070010001			
1.	कु॰ स्वाती साहू	कमल नारायन	- ऊर्जा प्रवाह
2.	मुकुन्द नेताम	प्यारेलाल	- बाढ
3.	कु॰ दामिन	धुनीराम	- वन्यजीव संरक्षण
4.	कु॰ मोनिका	चिन्ताराम	जल संसाधन
5	प्रकाश कु॰ सिन्हा	अधार राम	- आधुनिक कृषि
6.	कु॰ खुशबू सिन्हा	रम्मू सिन्हा	मरुस्थल परितंत्र
7.	कु॰ भारती वर्मा	महेश वर्मा	- थल परितंत्र
8 11.	कु॰ देवकी सिन्हा	बन्धुलाल	- जैव विविधता
9 12.	कु॰ गंगा	बैजनाथ	ठोस अपशिष्ट प्रबंध
10 13.	कु॰ दुरपती वर्मा	थानसिंह वर्मा	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस का संरक्षण
11 14.	कु॰ चंचल	- रुपेन्द्र	- वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत का उपयोग
12 15.	कु॰ सुनीता	कन्हैया	- नाभिकीय ऊर्जा तंत्र
13 16.	अंजली	देवी अहीर	- भूमिगत जल संरक्षण
14 17.	खुशबू	देवनारायण	भारत के संकटापन्न देशी पादप प्रजातियों का संरक्षण
15 18	कु॰ बिन्दु	दीपक	- नाभिकीय विकिरण के मानव जगत में प्रभाव
16 19 -	आकाश कुमार	- जैनलाल	- एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम
17 20 -	बलराम	कुबेर	- ग्रीन हाउस प्रभाव
18 21 -	राज	परमानंद	- HIV - एड्स रोकथाम

NO

	अमित कुमार	रमेश कुमार	वन परितंत्र
328	ब्रजेन्द्र यादव	अशोक	जैव विविधता
329	डोमनलाल	संतोषपाल	ठोस अपशिष्ट प्रबंध
330	कुसुम सिन्हा	मनीराम	मानव अधिकार के प्रकार
331	कु. मेना	मनावन राम	भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार
332	केशव साहू	केपन राम साहू	औषधीय पौधों के उपयोग
333	मेघनारायन	महादेव	नाभिकीय ऊर्जा तंत्र
334	गीता साहू	जीवन साहू	भूस्खलन
335	सीमा यादव	मन्नू राम	बाल अधिकार समझौता
336	लीलेश्वरी	प्यारेलाल	जनसंख्या विस्फोट
337	डोमेश कुमार	धनीराम	जल संसाधन
338	राजकुमार	मनमोहन साहू	जल प्रदूषण
339	टिकेन्द्र साहू	सेवाराम	वायु प्रदूषण
340	पूनम साहू	बिसहत साहू	ऊर्जा प्रवाह
341	काजल यादव	अरुण यादव	बाढ़
342	लखन	धनाराम	वन्य जीव संरक्षण
343	खुशबू राजपूत	महेश सिंह	जल संसाधन
344	सिमरन राजपूत	नारायन	आधुनिक कृषि
345	यामिनी साहू	नन्द कुमार	मरुस्थल परितंत्र
346	घनश्याम पटेल	रुपेन्द्र पटेल	वन परितंत्र
347	टिकेश्वर	पोखनलाल	जैव विविधता
348	ओमप्रकाश	बेशीलाल	ठोस अपशिष्ट प्रबंध
349	ज्योति यादव	अजय यादव	मानव अधिकार के प्रकार
350	राजकुमारी	रामाधार	भारतीय संविधान में मौलिक अधि
351	डिगेश्वरी	मनहरण	औषधीय पौधों के उपयोग
			[illegible] जल संरक्षण

★ मानवाधिकारो की उत्पत्ति

मानव अधिकारो पद का प्रयोग सर्वप्रथम अमरीकन राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने जनवरी 16, सन 1941 मे कांग्रेस को सबोधित अपने प्रसिद्ध सदेश मे किया था जिसमे उन्होने चार मर्मभूत स्वतन्त्रताओ पर आधारित विश्व की घोषणा की थी। इनको उन्होने इस प्रकार सूचीबद्ध किया था
(1) वाक् स्वातन्त्र्य (2) धर्म स्वातन्त्र्य
(3) गरीबी से मुक्ति दिया (4) भय से स्वातन्त्र्य।
चार स्वातन्त्र्य सदेश के अनुक्रम मे राष्ट्रपति ने घोषणा किया "स्वातन्त्र्य से हर व्यक्ति मानव अधिकारो की सर्वोच्च अभिप्रेत है" हमारा समर्थन उन्ही को है जो इन अधिकारो को पाने के लिए या बनाये रखने के लिये सघर्ष करते है।
"मानव अधिकारो पद का प्रयोग फिर अटलांटिक चार्टर मे पाया जाता है जिसको द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात प्रयोग सयुक्त राष्ट्र चार्टर लिखित सैनफ्रासिस्को मे 25 जून 1945 को अगीकृत किया जाता है। उसी वर्ष मे अक्टूबर माह मे बहुसख्य मे हस्ताक्षरकर्ताओ ने इसका अनुसमर्थन कर दिया। सयुक्त राष्ट्र चार्टर की उद्देशिका राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 1 मे कहा गया है।

राज्य मानवाधिकार आयोग

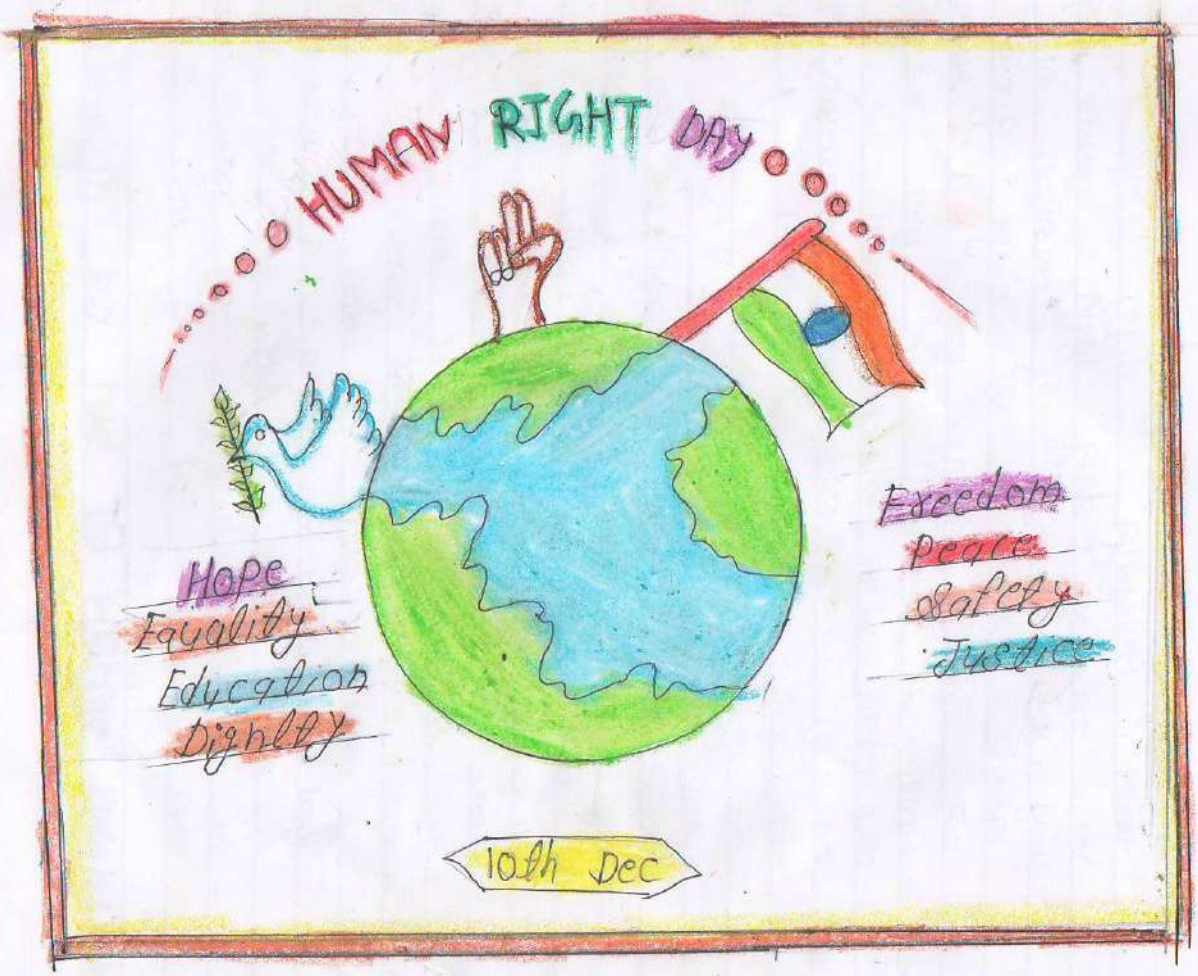
HUMAN RIGHT DAY
Hope
Equality
Education
Dignity
Freedom
Peace
Safety
Justice
10th Dec

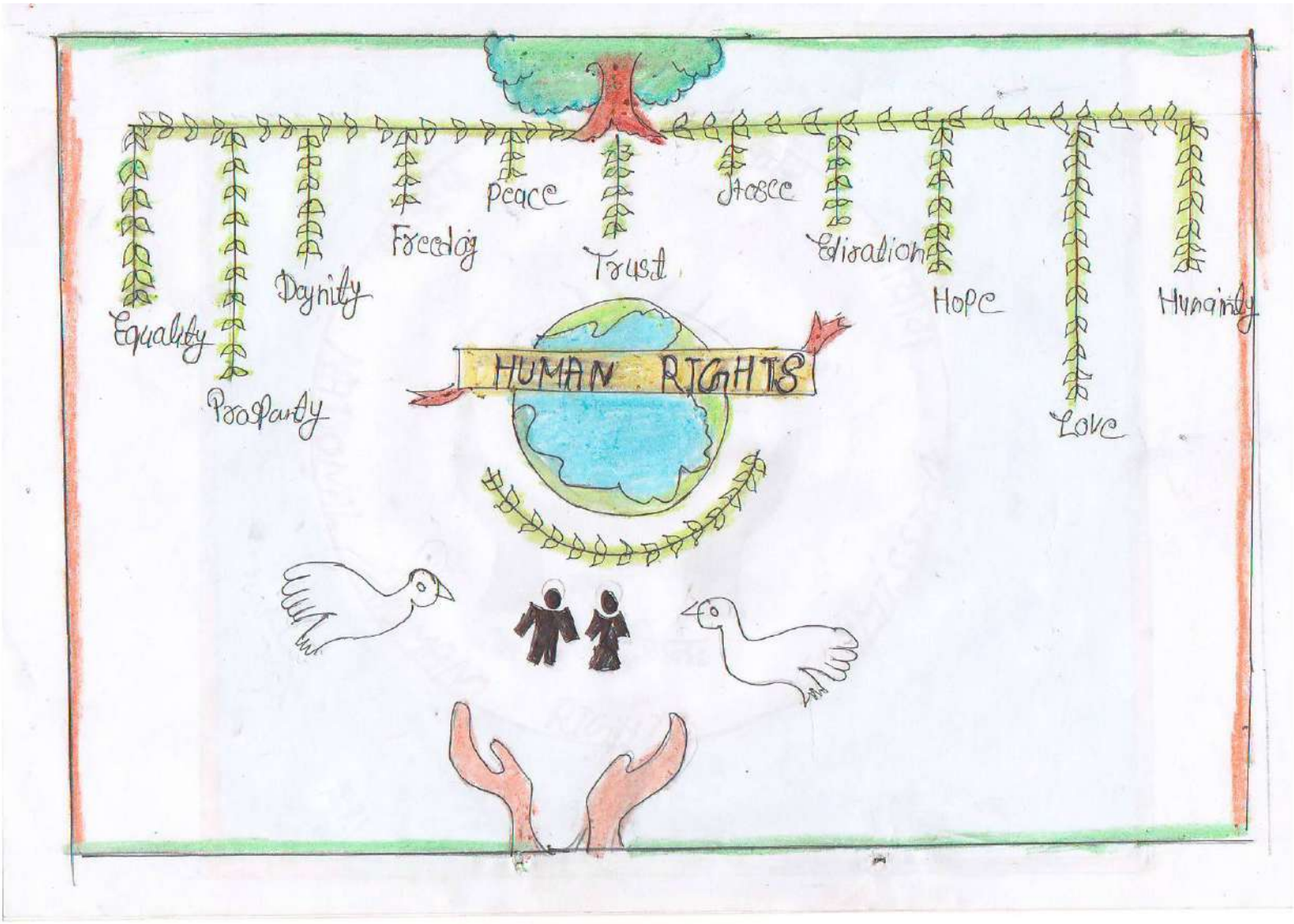

Equality
Peace
Trust
Hope
Love
HUMAN RIGHTS

STATE HUMAN RIGHTS COMMISSION

Topic _____ Page No. _____ Date _____

आधुनिक कृषि में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं - बेहतर बीजों का प्रयोग, उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग, उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग से पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति व कीटनाशकों के प्रयोग से पौधों को लगने वाली बीमारियों व कीटाणुओं का नियंत्रण।

⊕ आधुनिक कृषि क्या है -

आधुनिक कृषि ऐसी नवप्रवर्तन शैली और कृषि पद्धति है जिसमें स्वदेशी ज्ञान के साथ - साथ आधुनिक ज्ञान, आधुनिक उपकरण तथा प्रत्येक पहलु जैसे खेत की तैयारी खेत का चुनाव, खरपतवार नियंत्रण पौध सरंक्षण फसलोत्तर प्रबंधन, फसल की कटाई आदि ऐसी की महत्वपूर्ण कृषि पद्धतियों के जीव व कृषि पद्धतियों के उपयोग को ही आधुनिक कृषि कहते हैं।

आधुनिक शेती

आधुनिक दृष्टि

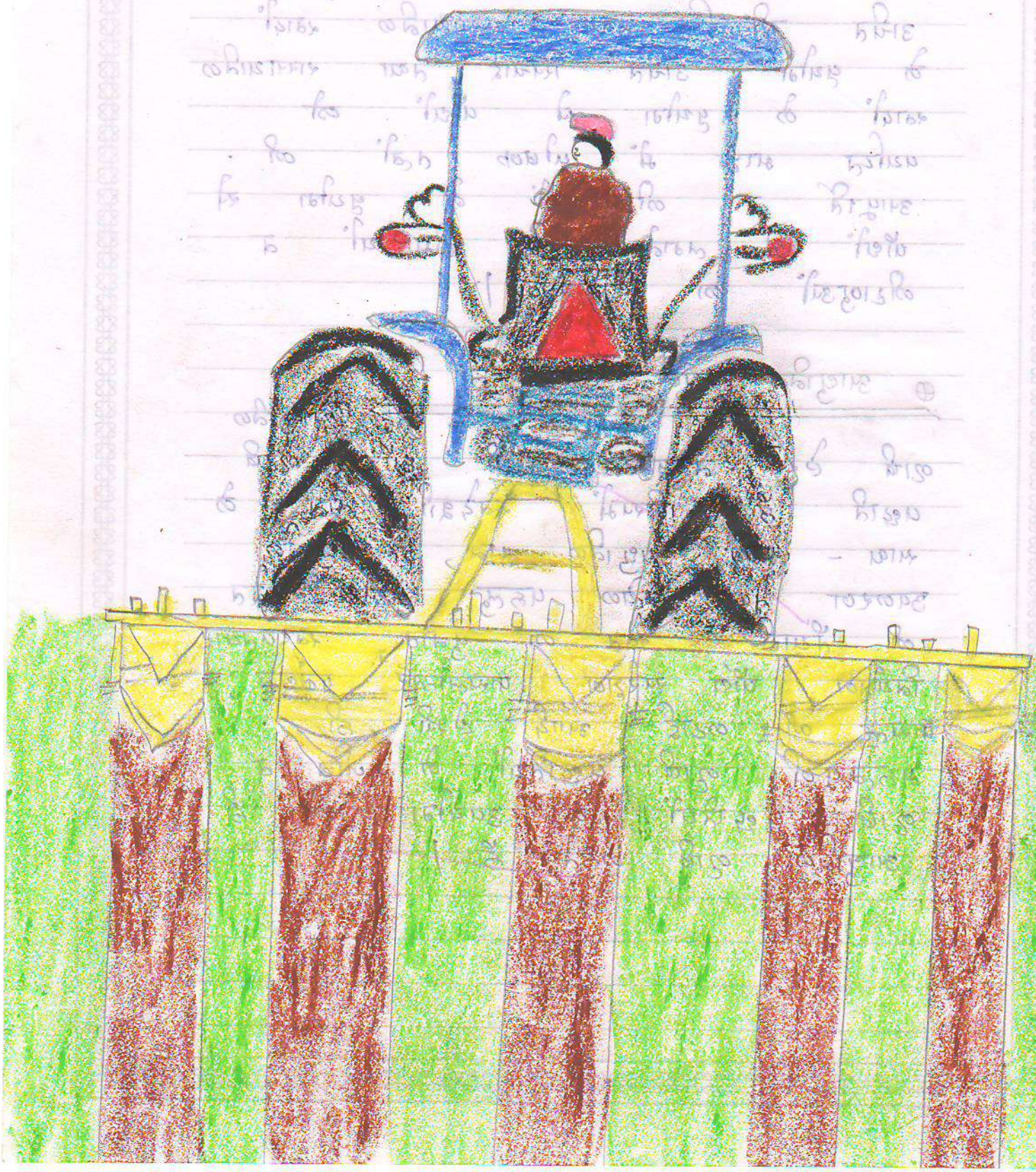

जैव - विविधता

Date 31-01-2021

रूपरेखा ⇒ (1) प्रस्तावना
(2) जैव विविधता क्या है।
(3) जैव विविधता के प्रकार
(4) जैव विविधता का महत्व और उपयोग
(5) जैव विविधता की विशेषताएं
(6) जैव विविधता का लाभ
(7) निष्कर्ष

प्रस्तावना ⇒ जैव - विविधता को अंग्रेजी में Biodiversity कहते हैं जो दो शब्दों के मेल से बना है। Bio का अर्थ है, 'जीव' तथा Diversity का अर्थ है 'विविधता'। अतः जैव-विविधता का अभिप्राय पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवन की विविधता से है। साधारण शब्दों में, किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या और उनकी विविधता को जैव-विविधता कहते हैं। इसका संबंध पौधों के प्रकार, प्राणियों तथा सूक्ष्म जीवाणुओं से है यह उनकी आनुवंशिकी और उनके द्वारा निर्मित पारितंत्र से है। पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीवधारियों की परिवर्तनशीलता, एक ही प्रजाति तथा विभिन्न प्रजातियों में परिवर्तनशीलता तथा विभिन्न पारितंत्र की विविधता से संबंधित है। जैव - विविधता सजीव संपदा है जिसका विकास लाखों वर्षों के बाद होता है। जैव - विविधता शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम वाल्टर जी. रासन ने 1985 में किया था।

जैव विविधता क्या है ⇒ जैव विविधता का सामान्य अर्थ है - " किसी स्थान में रहने वाली विभिन्न प्रजातियों की कुल संख्या और प्रत्येक प्रजाति में पाई जाने वाले अनुवांशिक भिन्नता का अंतर है। जैव विविधता किसी खास स्थान को बताती है इसका मतलब यह है कि " जैव विविधता " अलग - अलग स्थानों पर अलग - अलग होती है। "

जैव - विविधता

नाम - रोशनी

जैव विविधता